

गरीबी एवं विकास संबंधी मुद्दे

A. विकास का अर्थ -

आर्थिक वृद्धि एवं परिवर्तन की एक ऐसी प्रक्रिया जहाँ उत्पादन में वृद्धि के साथ-साथ आय में वृद्धि, जीवन स्तर में सुधार, स्वास्थ्य के स्तर में सुधार, आयु प्रत्याशा में वृद्धि, शिक्षा के स्तर में सुधार और शक्ति का विवेकीकरण संभव होता है। को विकास की संज्ञा दी जाती है।

B. गरीबी का अर्थ -

व्यक्ति या समूह की वह स्थिति जहाँ व्यक्ति न्यूनतम जीवन निर्वाह में झझम होता है - गरीबी कहलाती है, और इस स्थिति को निरपेक्ष गरीबी भी कहा जाता है।

तुलनात्मक गरीबी का अर्थ -

व्यक्ति या समूह की वह स्थिति या दशा जहाँ व्यक्ति न्यूनतम जीवन निर्वाह से जुड़ी आवश्यकताओं को पूरा करने में तो सक्षम होता है, परन्तु आर्थिक संदर्भ में उनकी स्थिति अन्यो से निम्नतर

होती हैं- तुलनात्मक गरीबी कहलाती हैं।

तुलनात्मक अभावबोध का अर्थ-

तुलनात्मक गरीबी या खंचन या अभाव का बोध (मनोवैज्ञानिक स्थिति) को तुलनात्मक अभावबोध कहा जाता है- और यह स्थिति भी कई प्रकार की सामाजिक समस्याओं को जन्म देती है।



स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् भारत में सामाजिक न्याय से युक्त विकास के लक्ष्य को तय किया गया और मिश्रित मॉडल के तहत, राज्य के नेतृत्व में, नौकरशाही व्यवस्था के सहयोग से संविधान-विधान एवं विकास कार्यक्रमों के माध्यम से गरीबी उन्मूलन की दिशा में और सामाजिक न्याय से युक्त विकास के लक्ष्य की प्राप्ति हेतु कई प्रयास किये गए।

आजादी के बाद से लेकर आज तक विकास की यह प्रक्रिया कई प्रकार के असंतुलन से परिपूर्ण रही है, जिसने विकास जनित तथा विकास से संबंधित कई

समस्याओं/मुद्दों को उत्पन्न किया है।

जिनमें कुछ प्रमुख मुद्दे निम्नलिखित हैं:-

1. विकास एवं विस्थापन से संबंधित मुद्दे
2. विकास एवं किसान आत्महत्या से संबंधित मुद्दे
3. विकास एवं पर्यावरण से संबंधित मुद्दे
4. विकास एवं विध्वंसता से संबंधित मुद्दे
5. विकास एवं श्रमिक प्रवास से संबंधित मुद्दे
6. विकास एवं ग्रामीण/नगरीय प्रवास से संबंधित मुद्दे
7. विकास एवं अति-नगरीकरण से संबंधित मुद्दे
8. विकास एवं गरीबी तथा तुलनात्मक अभाव बोध से संबंधित मुद्दे
9. आर्थिक विकास एवं मानव विकास से संबंधित मुद्दे
10. विकास और उग्रवाद से संबंधित मुद्दे